AH-1075 CV-19

B.A. (Part-III)

Term End Examination, 2019-20

SANSKRIT LITERATURE

Paper-II

काव्य, अलंकार तथा निबंध

Time: Three Hours **[Maximum Marks: 75]**

नोट : सुवाच्य अक्षरों में सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्नों के अंक उनके दाहिजनी ओर अंकित हैं।

इकाई/unit-I

1. निम्नलिखित में से किन्हीं दो श्लोकों की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए: 20

(क) कियासु युक्तैर्नृप! चरचक्षुषो
न वज्चनीयाः प्रभवोऽनुजीविभिः।
अतोऽर्हसि क्षन्तुमसधु साधु वा
हितं मनोहारि च दुर्लभं वचः।।

(ख) स किं सखा साधु न शास्ति योऽधिपं, हितान्न
यः संश्रुणुते स किंप्रभुः।
स्दानुकूलेषु हि कुर्वते रतिं नृपेष्वमात्येषु च
सर्वसम्पदः।।

(घ) अबन्धकोपस्य विरहन्तुरापदां
भवन्ति वश्या स्वपमेव देहिनः।
अमर्षशून्येनजनस्य जन्तुना
न जात हार्देन न विद्विषादरः।।

इकाई/unit-II

2. भारवि की काव्यशैली की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। 15

अथवा/Or

'भारवेरर्थगौरवं' की समीक्षा कीजिए।

इकाई/unit-III

3. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पद्यों की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए: 15

(क) चारित्रेण च को युक्तः सर्वभूतेषतु को हितः।
विद्वान् कः कः समर्थश्च कश्चैकप्रियदर्शनः।

(ख) चित्रकूटं गते रामे पुत्रशोकातुरस्तदा।
राजा दशरथः स्वर्गं जगाम विलपन्सुतम्।।

(ग) तत्र लङ्कां समासाद्य पुरीं रावणयालिताम्।
ददर्श सीतां ध्यायन्तीमशोकवनिकां गताम्।।

(घ) गृधं च निहतं दृष्टि्वा हुतां श्रुत्वा च चैथिलीम्।
राघवः शोकसंतप्ता विललापाकुलेन्द्रियः।।

(ड.) स च सर्व गुणोपेतः कौशल्याऽनन्दयर्धनः।
समुद्र इव गाम्भर्ये धैर्येण हिमवानिक।।

(च) महोरस्को महेष्वासी गूढजतुररिन्दमः।
आजानुबाहुः सुशिराः सुललाटः सविक्रमः।।

इकाई/unit-IV

4 निम्नलिखित में से किन्हीं तीन अलंकारों के सोदाहरण लक्षण लिखिए: 15

(क) उत्प्रेक्षा
(ख) विशेषोक्तिः
(ग) दृष्टान्त
(घ) ससन्देह
(ड.) अर्थान्तरन्यास
(च) भ्रान्तिमान

इकाई/unit-V

5. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर 15 वाक्यों में संस्कृत में निबंध लिखिए: 10

(क) परोपकारः
(ख) अस्माकं विश्वविद्यालयः
(ग) संस्कृतभाषायाः महत्वम
(घ) महाकवि कालिदासः

http://www.abvvonline.com
http://www.abvvonline.com